एनआईओएस

विकास की ओर अग्रसर ...

प्रोफाइल

2021-2022

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)

दृष्टि

"गुणवत्ता पूर्ण विद्यालयी शिक्षा और कौशल विकास हेतु सुविधापूर्ण, सार्वभौमिक, चिरस्थायी और समावेशी शिक्षा" प्रदान करना।

लक्ष्य

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति द्वारा पूर्व-स्नातक स्तर पर प्रासंगिक, सतत् और सर्वांगीण शिक्षा प्रदान करना।

स्कूली शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण में योगदान देना

समानता और सामाजिक न्याय के लिए प्राथमिकता प्राप्त लक्ष्य समूहों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना।

प्रो. सरोज शर्मा, अध्यक्ष, एनआईओएस यूनेस्को किंग सेजोंग लिटरेसी पुरस्कार-2021 ग्रहण करते हुए

शिक्षार्थियों के जीवन को सँवारता : एनआईओएस

नास्ति विद्या समं चक्षु
नास्ति सत्य समं तपः।
नास्ति राग समं दु:खं
नास्ति त्याग समं सुखं॥
"विद्या के समान नेत्र नहीं है, सत्य के समान तपस्या नहीं है।
आसक्ति के समान दु:ख नहीं है, त्याग के समान सुख नहीं है।"

(शांतिपर्व, महाभारत)

शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र समग्र विकास की ओर प्रशस्त होता है। शिक्षा को समाज और विश्व के कल्याण के लिए वांछनीय परिवर्तन लाने का शक्तिशाली साधन माना जाता है। इसलिए यह व्यक्ति और समाज के लिए परम आवश्यक है।

नई शिक्षा नीति 2020 स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक, शिक्षा के सभी स्तरों पर सुधार के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिसमें भारत केंद्रित शिक्षा, स्थिरता, पहुँच, समानता, उच्च गुणवत्ता वाले महत्वपूर्ण पहलुओं का अनुसरण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह पारदर्शिता, जवाबदेही, सामुदायिक भागीदारी, सामाजिक एकीकरण, अनुसंधान एवं नवाचार, सोच और विश्लेषणात्मक क्षमता, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुधार और विकास की ओर भी इंगित करती है। इसकी समग्र दृष्टि शासन और विनियमन में संपूर्ण सुधार के साथ स्कूली शिक्षा, शिक्षक की तैयारी, कौशल विकास और सक्षमता निर्माण के बीच तालमेल बैठाने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त विचारों को आत्मसात करने के साथ-साथ, एनआईओएस निम्नांकित के लिए प्रतिबद्ध है :

1. **शिक्षा – भारतीय ज्ञान परंपरा से लेकर समकालीन, अद्यतन और नवाचार उन्मुख शिक्षा;**
2. **कौशल – शिक्षा के प्रारंभिक चरण में बेसिक शिक्षा से लेकर आधुनिक सॉफ्ट तथा व्यावसायिक कौशल;**
3. **आत्म निर्भरता – स्थानीय संसाधनों (स्वदेशी) और रोजगार क्षमता के माध्यम से आर्थिक सुधार;**
4. **मूल्य आधारित शिक्षा – उपनिषदों की शिक्षा से लेकर यूनेस्को के मिलेनियम 2030 लक्ष्य।**

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए तथा उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हम शिक्षा के क्षेत्र में उद्यमिता, सहयोगात्मक तथा सामुदायिक भागीदारी, पारदर्शिता, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), संस्थागत स्वायत्तता तथा जवाबदेही, विनियमन, निगरानी और अनुपालन, शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टीक्यूएम) के अनुकरणीय क्षेत्रों में समकालीन प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत एक ऐसा देश है जो विश्व स्तर पर युवा शक्ति में अग्रणी है। इसलिए शिक्षार्थी और शिक्षक कुशल, मूल्य उन्मुख और राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य के प्रति समर्पित होने चाहिए। जब तक हम आत्मनिर्भर और प्रगतिशील नहीं होंगे, तब तक ज्ञान युक्त समाज का नेतृत्व नहीं कर सकते। शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र में आज ऐसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग की जा रही है, जो समाज की आवश्यकताओं को पूर्ण कर सके। मूल्य आधारित शिक्षा समाज को मानवीय गरिमा और सामाजिक सह-अस्तित्व की ओर ले जा सकती है।

हमारा प्रमुख लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा तथा व्यावसायिक कौशल उन्मुख पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र/डिप्लोमा में मुक्त और दूरस्थ माध्यम से नवाचार करना और नए विचार लाना तथा शिक्षा के लिए एक अच्छा माहौल तैयार करना है। व्यावसायिक नैतिकता के साथ आईसीटी का प्रयोग रूढ़िगत शिक्षा प्रणाली को वैश्विक शिक्षा की तरह अधिक अद्यतन और उन्नत शिक्षा प्रणाली के रूप में निश्चित रूप से परिवर्तित कर देगा। एक शिक्षक, प्रसिद्ध दार्शनिक और स्वतंत्र भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने संपूर्ण विश्व को हमेशा एक स्कूल के समान माना है। उनका मानना था कि केवल शिक्षा के माध्यम से ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है। अत: विश्व को एक इकाई मानकर ही शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए।

एनआईओएस में हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र निर्माण के उच्चतम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस मिशन के साथ प्रतिबद्ध हैं :

काले खलु समारब्धाफलं बध्नन्ति नीतयः

सही समय पर बताई गई नीतियाँ ही सफलता का पथ प्रशस्त करती हैं।

(रघुवंशम 12/69)

(प्रो. सरोज शर्मा)

Prof. C. B. Sharma, Cha ... sha Kanwa

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) : सार

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) पूर्व-स्नातक स्तर तक विविध समूहों के शिक्षार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। यह वर्ष 1979 में एक परियोजना के रूप में आरंभ हुआ। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय (पूर्वत: मानव संसाधन विकास मंत्रालय (मा.सं.वि.मं.), भारत सरकार द्वारा नवंबर, 1989 में एक संकल्प के माध्यम से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (रा.मु.वि.) की स्थापना की गई। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (रा.मु.वि.) को शिक्षार्थियों को पंजीकरण करने, पंजीकृत शिक्षार्थियों का मूल्यांकन करने और उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान करने का अधिकार दिया गया। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जुलाई 2002 में पूर्व-स्नातक स्तर तक प्राथमिकता प्राप्त समूहों के शिक्षार्थियों को मुक्त शिक्षा प्रणाली के माध्यम से स्कूल स्तर पर प्रासंगिक और सतत् शिक्षा प्रदान करने के मिशन के साथ इस संस्था का पुन: नामकरण करते हुए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) किया गया। भारत में आज यह एक मान्यता प्राप्त विश्वसनीय शिक्षा प्रणाली है।

उद्देश्य

- लड़कियों/महिलाओं, अल्पसंख्यकों, दिव्यांगों (शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम) जैसे दरकिनार किए गए और वंचित समूहों के लिए शिक्षा को समतापरक और सम्मिलित शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्य योजना का निर्माण करना;
- कौशल विकास पर विशेष जोर देते हुए (i) मुक्त बेसिक शिक्षा (ओबीई) (ii) माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा और (iii) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) कार्यक्रमों के लिए आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम और स्व-अध्ययन सामग्री तैयार करना;
- अपनी विशिष्ट प्रकृति को कायम रखने के साथ-साथ औपचारिक शिक्षा के समकक्ष मानकों वाली मॉनीटरिंग, निरीक्षण और मूल्यांकन के माध्यम से मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) माध्यम से अधिगम की गुणवत्ता का प्रसार करना;
- राष्ट्रीय स्तर के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुक्त विद्यालयी शिक्षा में स्रोत संगठन और सक्षमता निर्माण केंद्र के रूप में कार्य करना;
- भारत सरकार को तथा राज्य सरकारों से प्राप्त निवेदनों के संबंध में अथवा अपनी ओर से स्कूली स्तर पर मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के उपयुक्त विकास के लिए व्यावसायिक परामर्श प्रदान करना।
- गुणवत्तापूर्ण मुक्त और दूरस्थ पाठ्यचर्याओं और शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने में उत्कृष्टता प्राप्त करना।
- पूर्व-स्नातक स्तर तक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रभावशाली शिक्षार्थी सहायता प्रणाली विकसित करने के लिए संस्थाओं को प्रत्यायन देना।
- अनुसंधान और विकास की गतिविधियों द्वारा मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को सशक्त करना।
- नेटवर्किंग, सक्षमता निर्माण, संसाधनों के आपसी सहयोग और गुणवत्ता सुनिश्चित करके राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मुक्त विद्यालयी शिक्षा का प्रसार करना।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) का संगठनात्मक ढाँचा

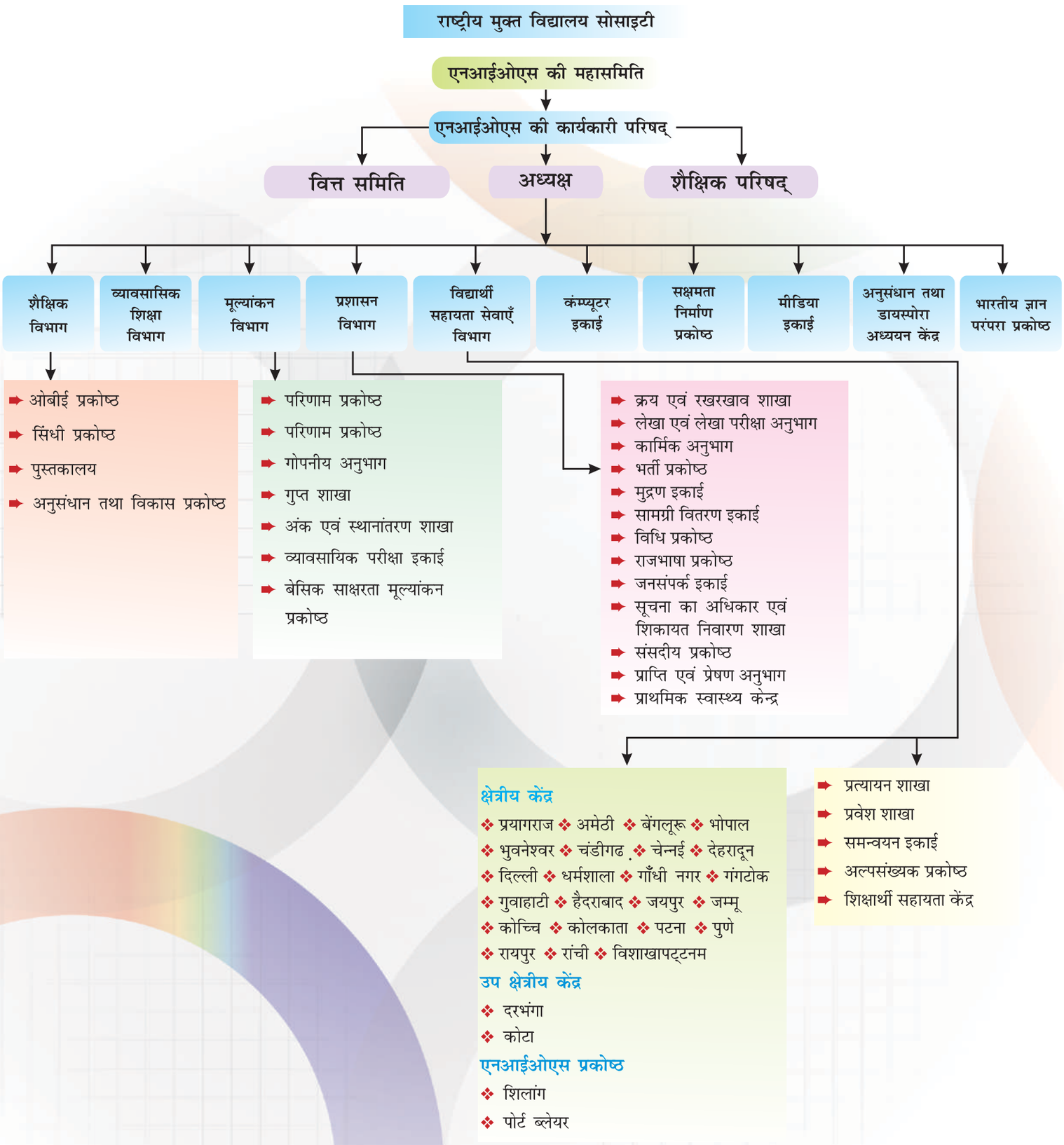

क्षेत्रीय केंद्र और उप-केंद्र

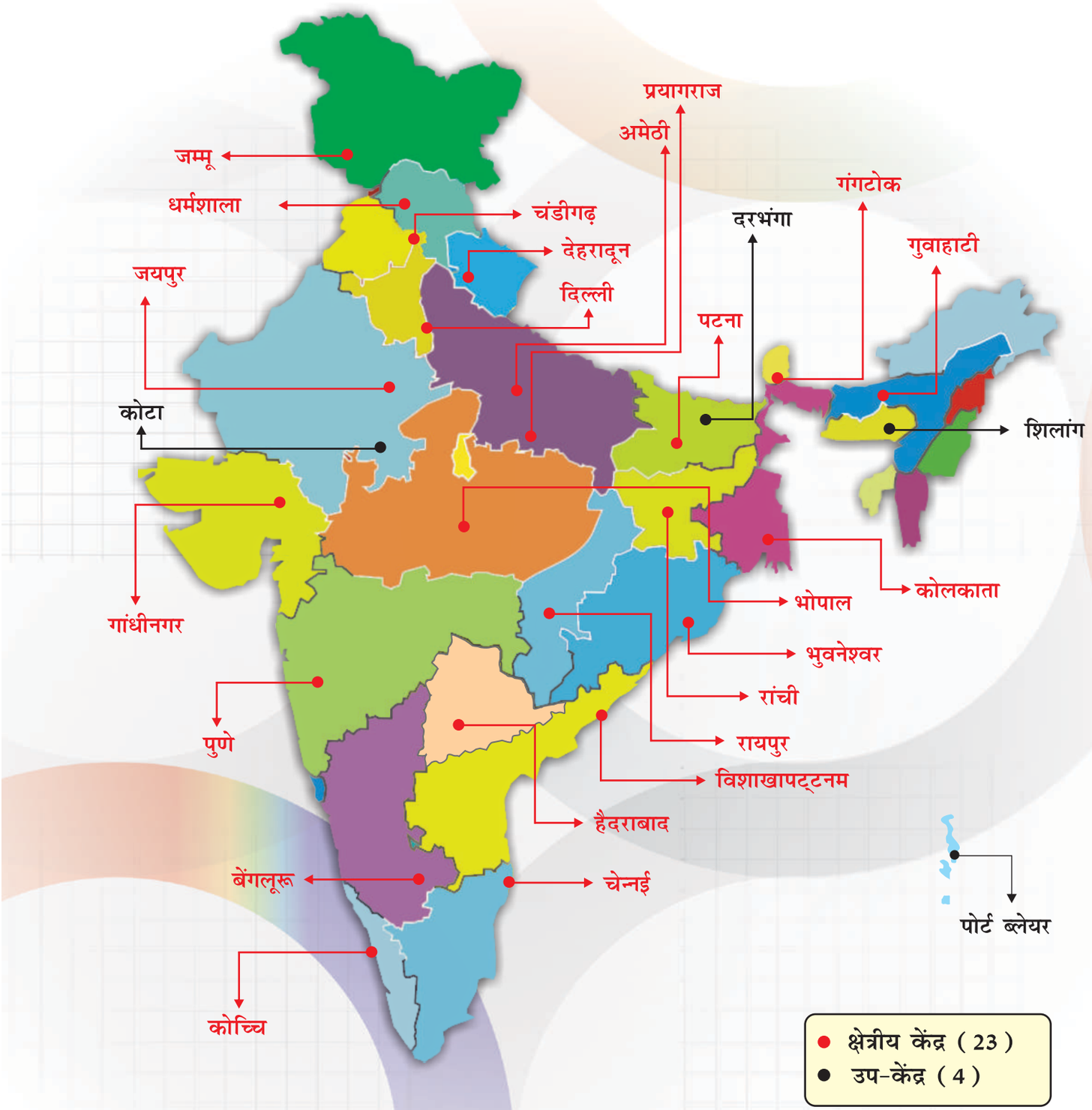

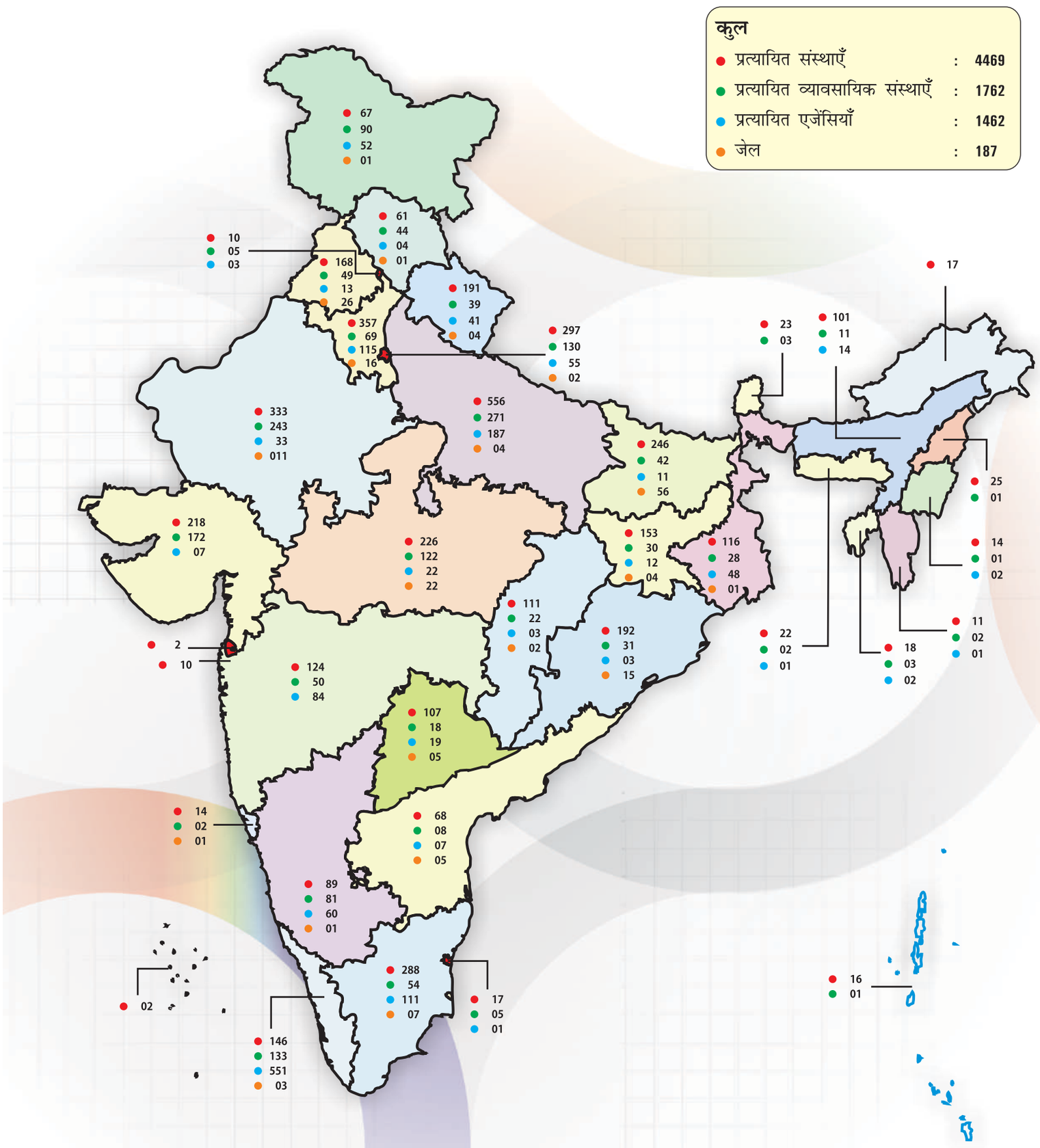

अध्ययन केंद्र

कुल		
● प्रत्यायित संस्थाएँ	:	4469
● प्रत्यायित व्यावसायिक संस्थाएँ	:	1762
● प्रत्यायित एजेंसियाँ	:	1462
● जेल	:	187

विदेश में अध्ययन केंद्र

देश का नाम	प्रत्यायित संस्थाएँ	प्रत्यायित व्यावसायिक संस्थाएँ	मुक्त बेसिक शिक्षा
यूएई	12	03	---
कुवैत	04	---	01
मस्कट	02	---	---
नेपाल	03	01	---
कतर	02	---	---
सऊदी अरब	01	---	---

कार्यक्रम

शैक्षिक कार्यक्रम

- माध्यमिक
- उच्चतर माध्यमिक

व्यावसायिक और कौशल विकास कार्यक्रम

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- डिप्लोमा कार्यक्रम
- पृथक रूप से लिए जाने वाले प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एकीकृत पाठ्यक्रम शैक्षिक एवं व्यावसायिक (मा./उच्च.मा.)
- व्यावसायिक स्ट्रीम

मुक्त बेसिक शिक्षा कार्यक्रम

- स्तर - क (कक्षा-III)
- स्तर - ख (कक्षा-V)
- स्तर - ग (कक्षा-VIII)

शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम

- डी.एल.एड.
- प्रारंभिक शिशु देखभाल और शिक्षा
- योग शिक्षक प्रशिक्षण

अधिगम रणनीतियाँ

नामांकन : एक दृष्टि

(2018, 2019 एवं 2020)

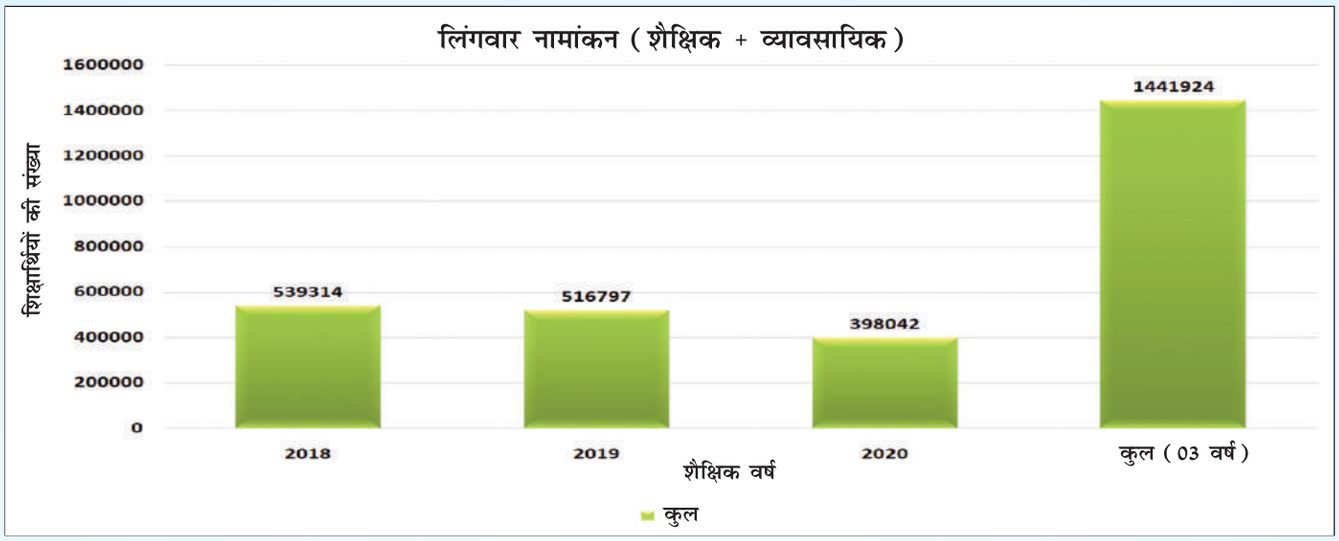

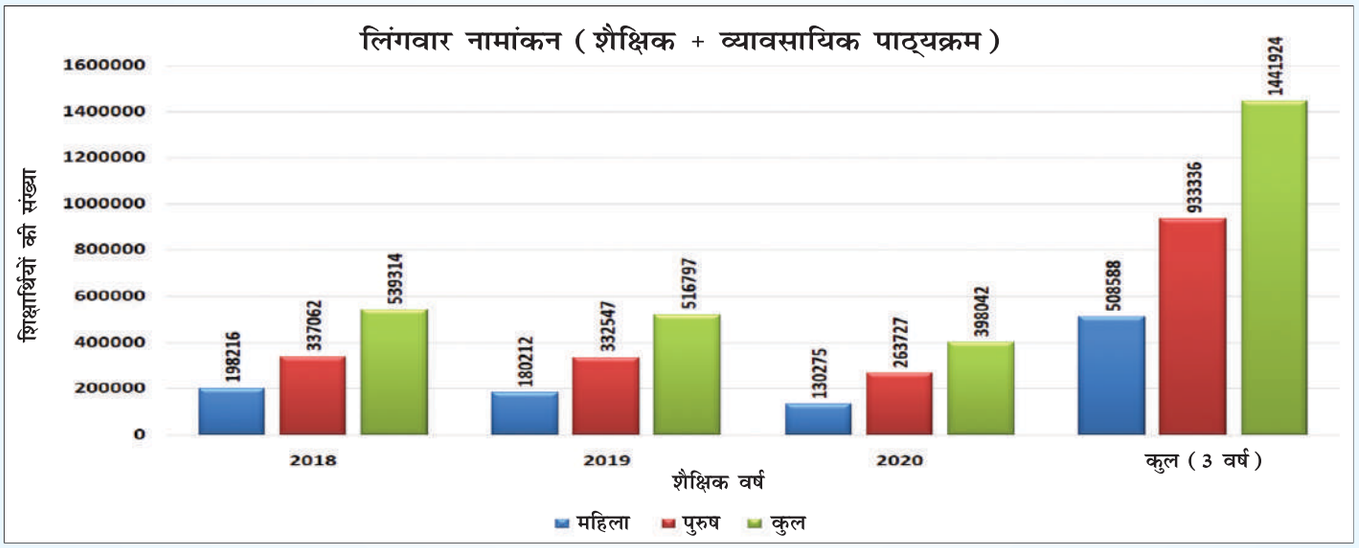

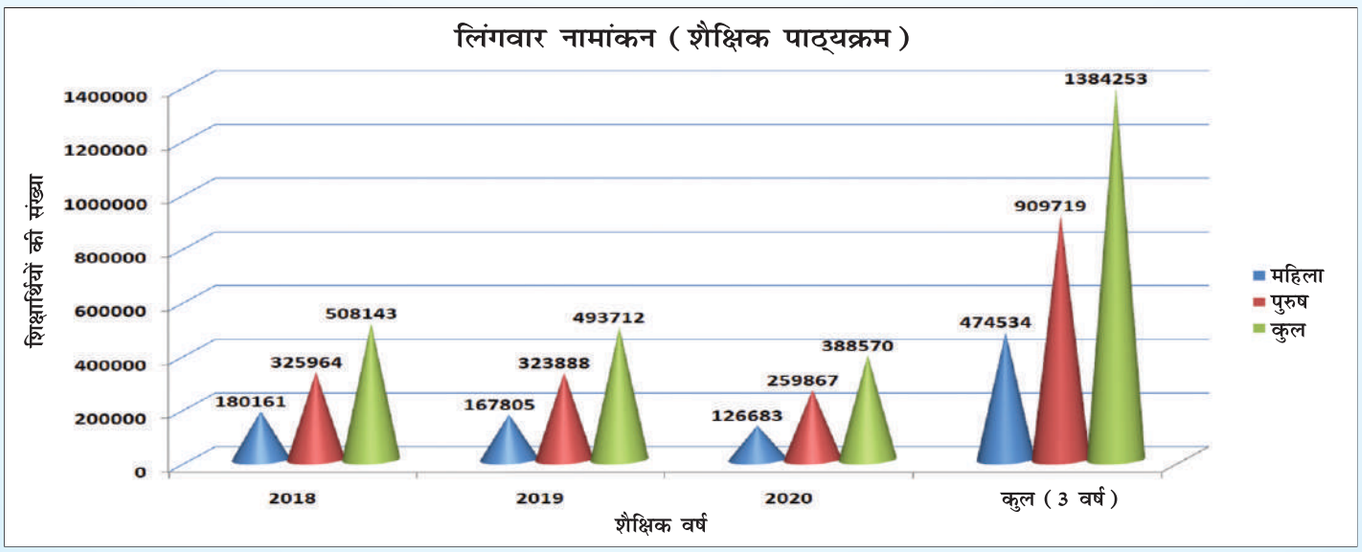

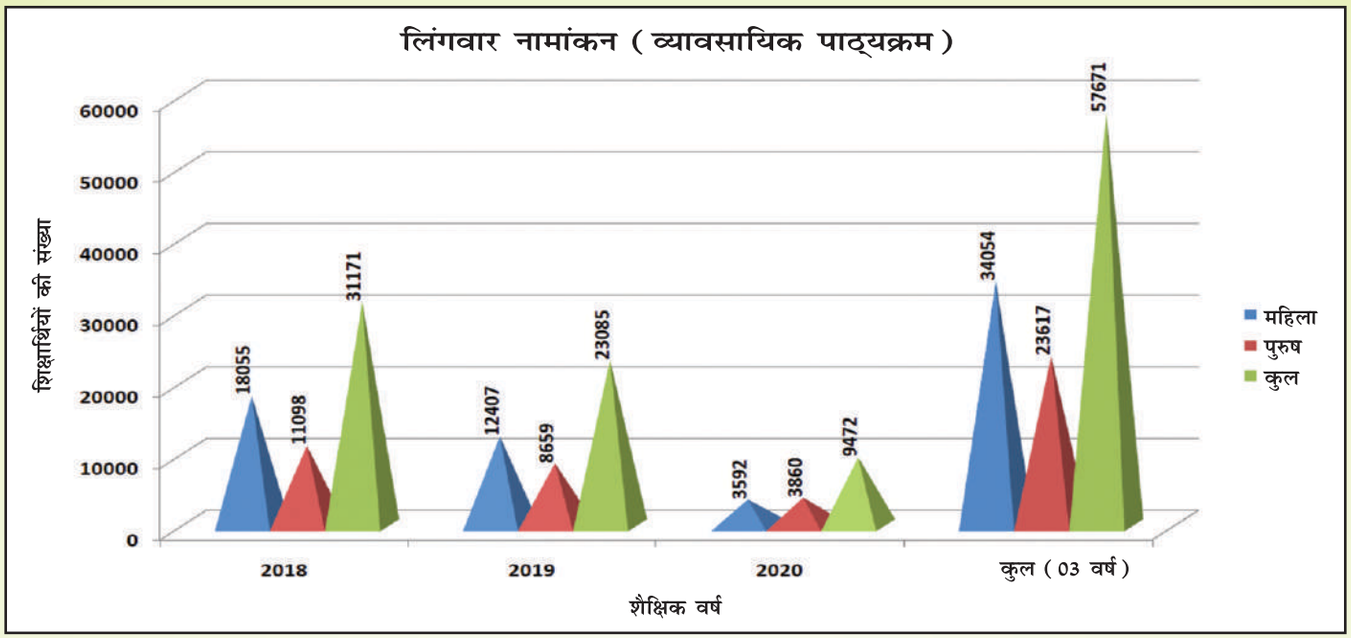
लिंगवार नामांकन (व्यावसायिक पाठ्यक्रम)
शिक्षार्थियों की संख्या
60000
50000
40000
30000
20000
10000
0
18055
11098
31171
12407
8659
23085
3592
3860
9472
34054
23617
57671
2018
2019
2020
कुल (03 वर्ष)
शैक्षिक वर्ष
महिला
पुरुष
कुल

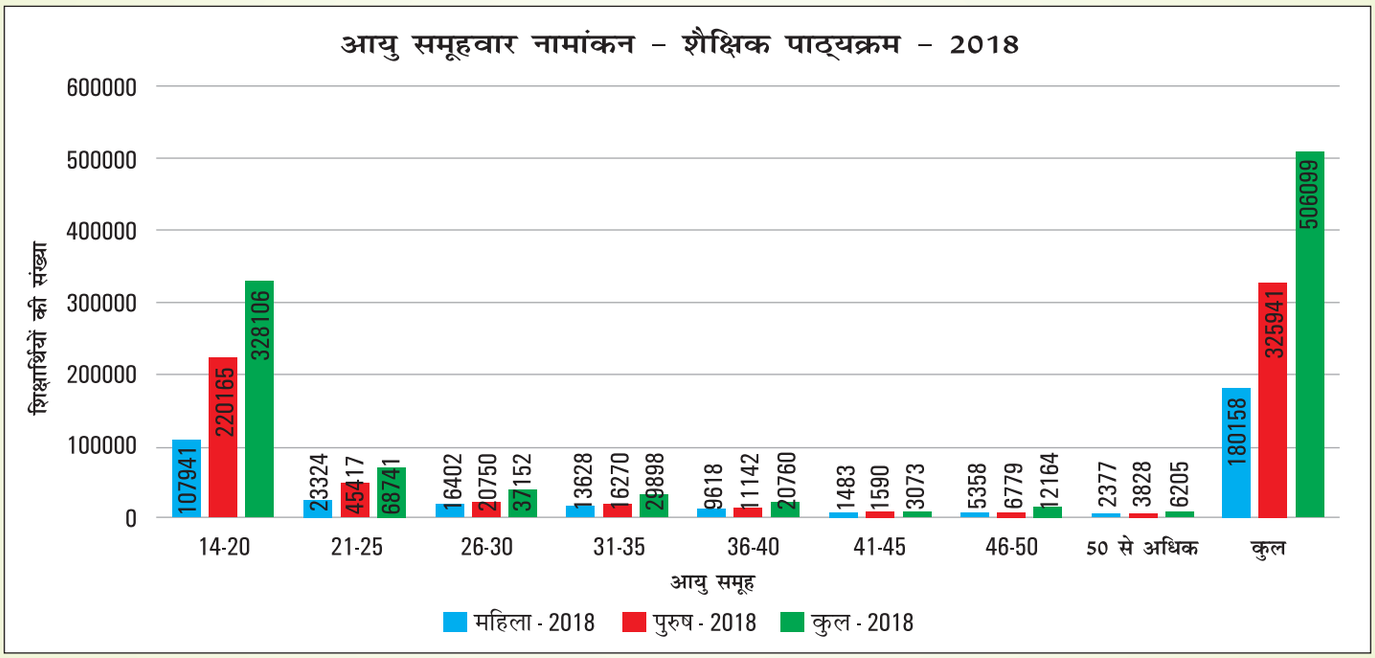
आयु समूहवार नामांकन – शैक्षिक पाठ्यक्रम – 2018
शिक्षार्थियों की संख्या
600000
500000
400000
300000
200000
100000
0
107941
220165
328106
23324
45417
68741
16402
20750
37152
13628
16270
29898
9618
11142
20760
1483
1590
3073
5358
6779
12164
2377
3828
6205
180158
325941
506099
14-20
21-25
26-30
31-35
36-40
41-45
46-50
50 से अधिक
कुल
आयु समूह
महिला - 2018
पुरुष - 2018
कुल - 2018

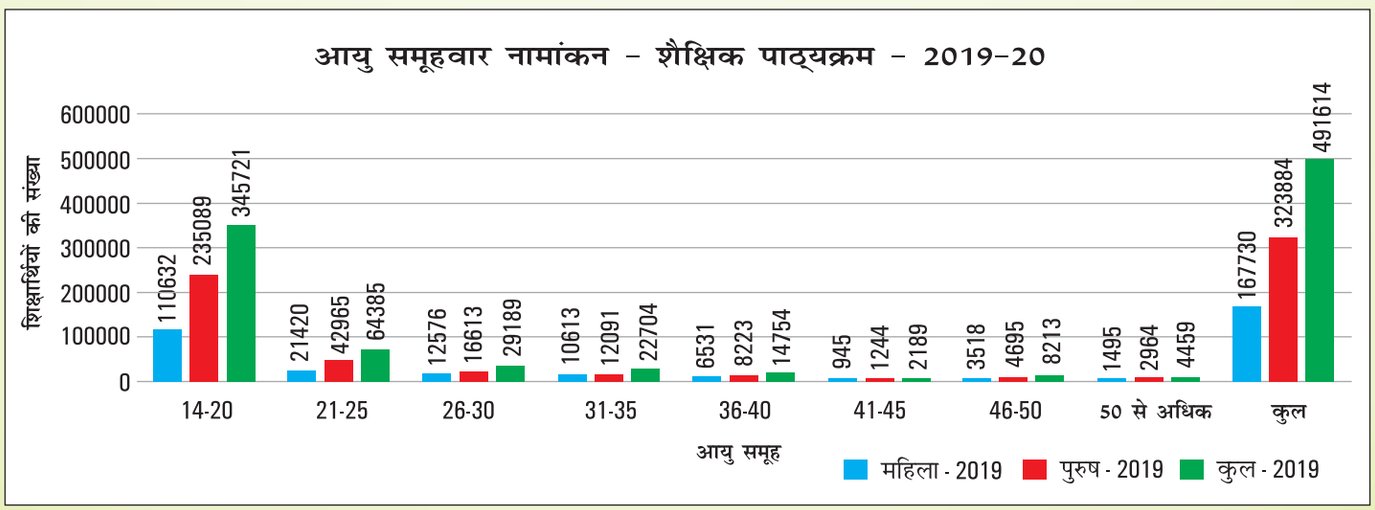
आयु समूहवार नामांकन – शैक्षिक पाठ्यक्रम – 2019-20
शिक्षार्थियों की संख्या
600000
500000
400000
300000
200000
100000
0
110632
235089
345721
21420
42965
64385
12576
16613
29189
10613
12091
22704
6531
8223
14754
945
1244
2189
3518
4695
8213
1495
2964
4459
167730
323884
491614
14-20
21-25
26-30
31-35
36-40
41-45
46-50
50 से अधिक
कुल
आयु समूह
महिला - 2019
पुरुष - 2019
कुल - 2019

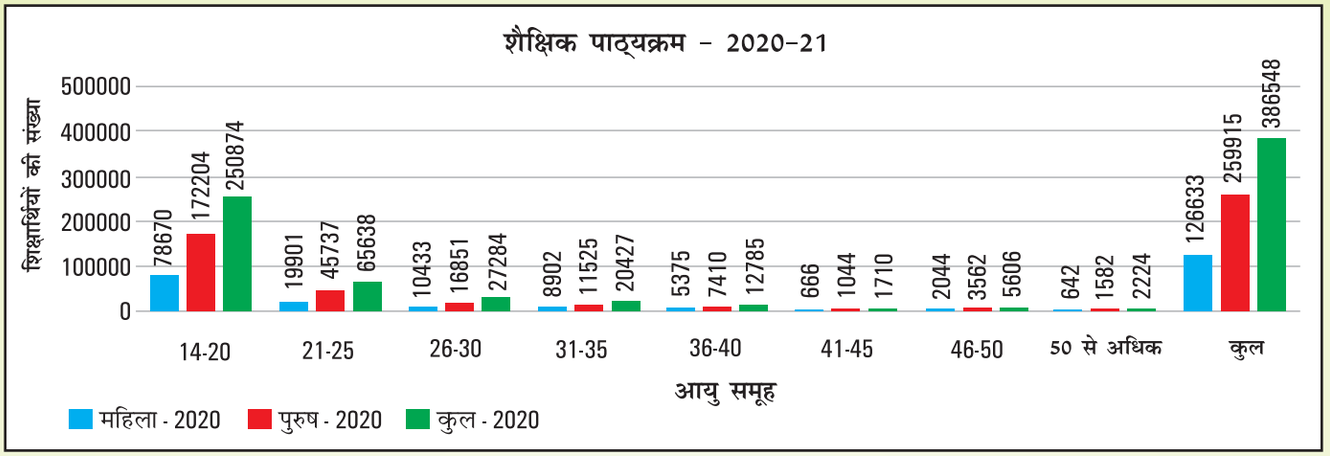

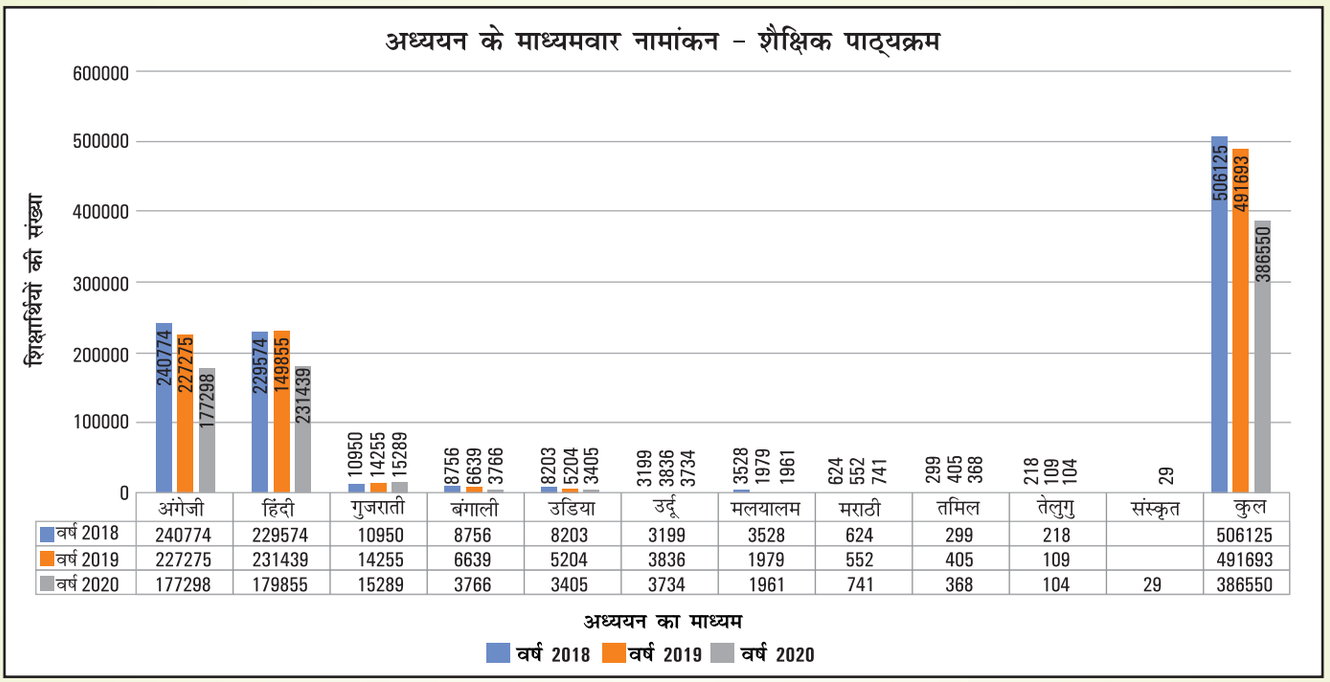

	अंगेजी	हिंदी	गुजराती	बंगाली	उडिया	उर्दू	मलयालम	मराठी	तमिल	तेलुगु	संस्कृत	कुल
वर्ष 2018	240774	229574	10950	8756	8203	3199	3528	624	299	218		506125
वर्ष 2019	227275	231439	14255	6639	5204	3836	1979	552	405	109		491693
वर्ष 2020	177298	179855	15289	3766	3405	3734	1961	741	368	104	29	386550

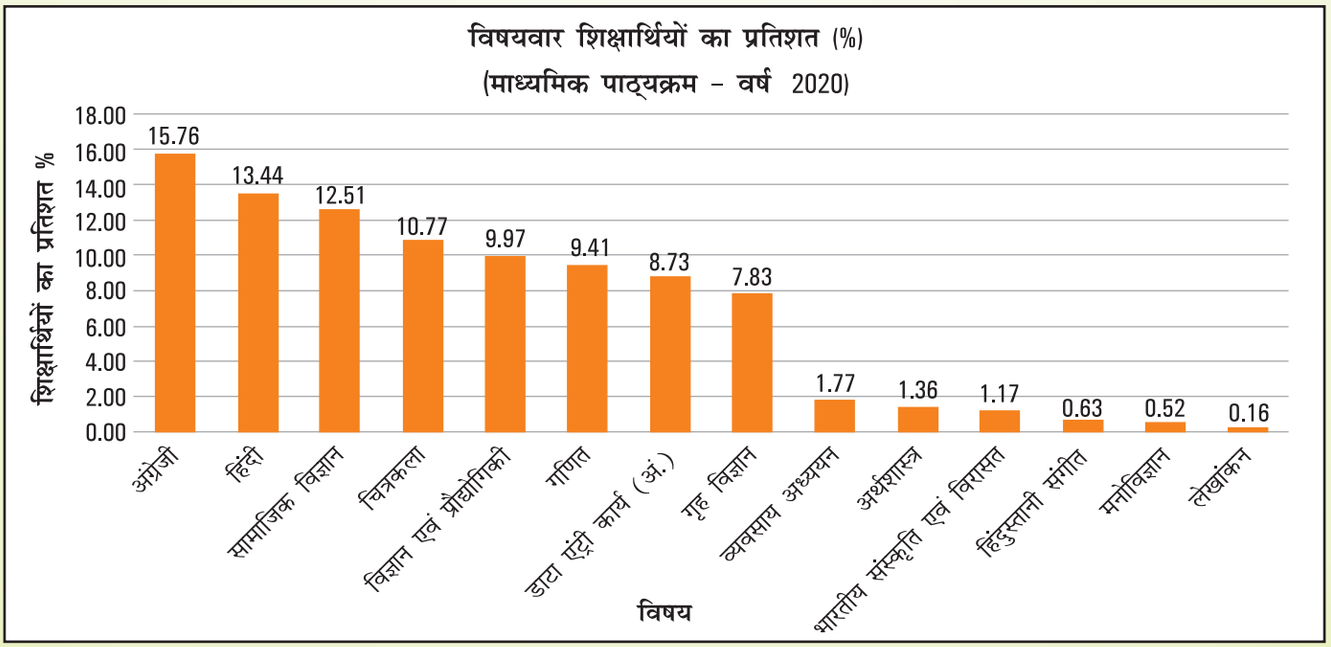

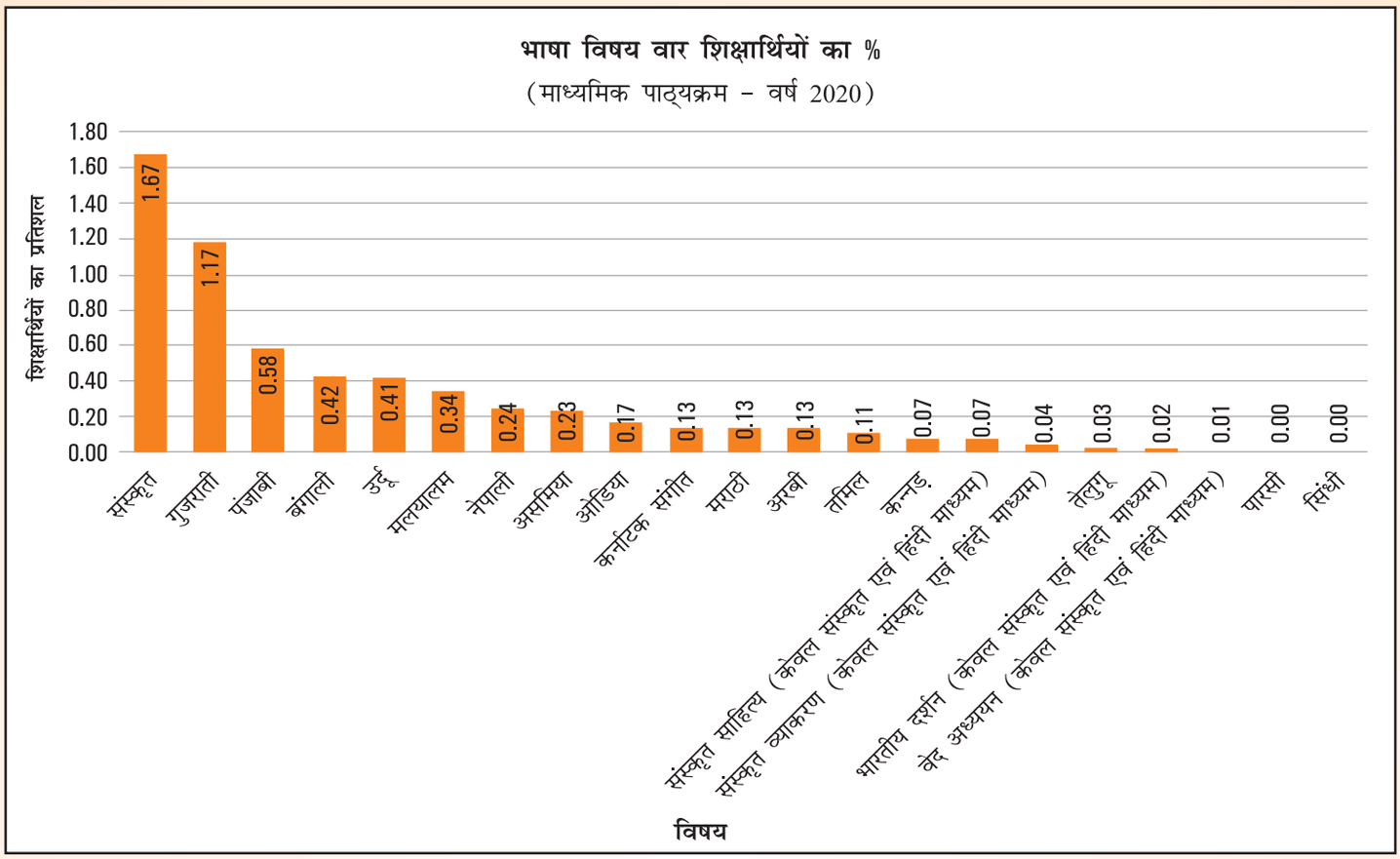
भाषा विषय वार शिक्षार्थियों का %
(माध्यमिक पाठ्यक्रम - वर्ष 2020)
शिक्षार्थियों का प्रतिशत
1.80
1.60
1.40
1.20
1.00
0.80
0.60
0.40
0.20
0.00
1.67
1.17
0.58
0.42
0.41
0.34
0.24
0.23
0.17
0.13
0.13
0.13
0.11
0.07
0.07
0.04
0.03
0.02
0.01
0.00
0.00
संस्कृत
गुजराती
पंजाबी
बंगाली
उर्दू
मलयालम
नेपाली
असमिया
ओडिया
कर्नाटक संगीत
मराठी
अरबी
तमिल
कन्नड़
संस्कृत साहित्य (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
संस्कृत व्याकरण (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
भारतीय दर्शन (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
वेद अध्ययन (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
तेलुगु
पारसी
सिंधी
विषय

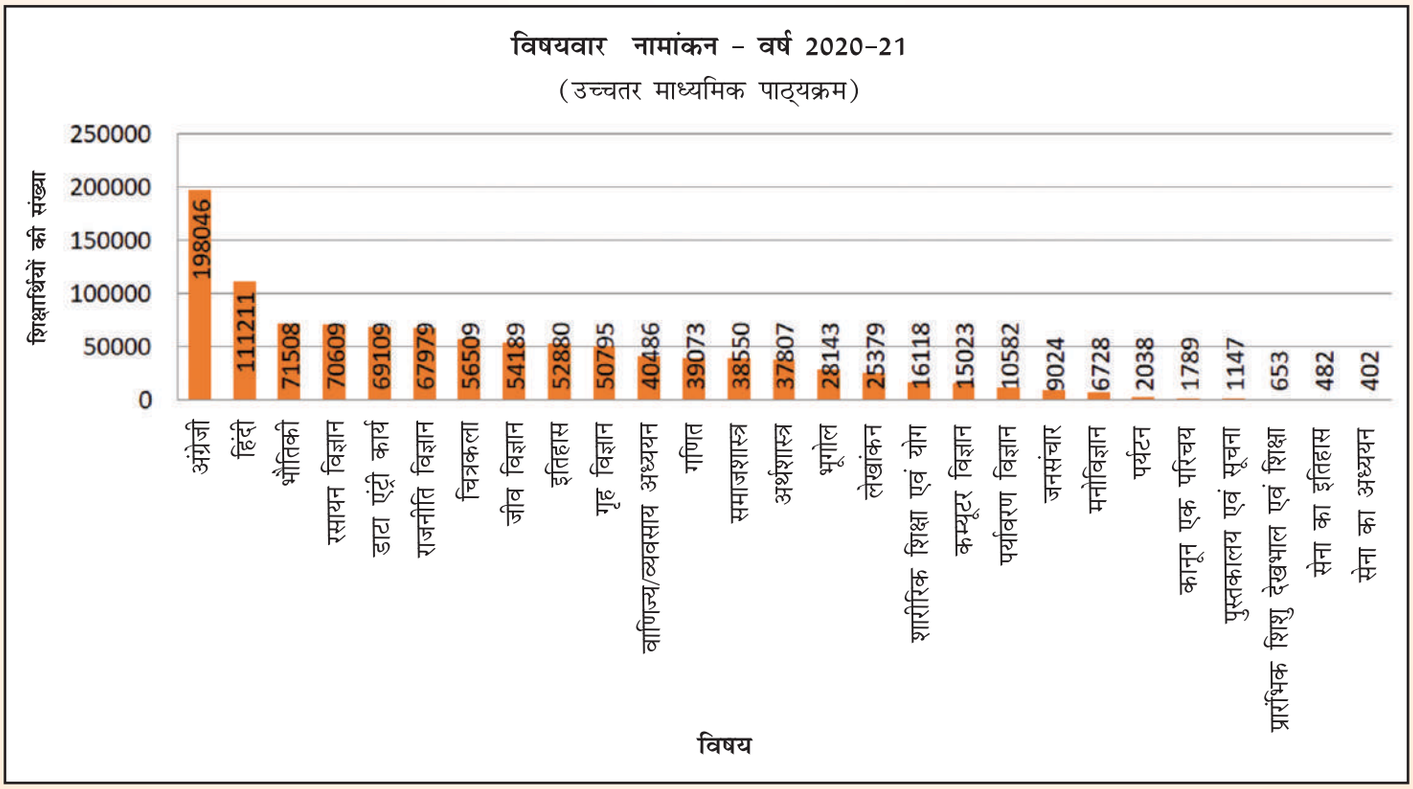
विषयवार नामांकन - वर्ष 2020-21
(उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम)
शिक्षार्थियों की संख्या
250000
200000
150000
100000
50000
0
198046
111211
71508
70609
69109
67979
56509
54189
52880
50795
40486
39073
38550
37807
28143
25379
16118
15023
10582
9024
6728
2038
1789
1147
653
482
402
अंग्रेजी
हिंदी
भौतिकी
रसायन विज्ञान
डाटा एंट्री कार्य
राजनीति विज्ञान
चित्रकला
जीव विज्ञान
इतिहास
गृह विज्ञान
वाणिज्य/व्यवसाय अध्ययन
गणित
समाजशास्त्र
अर्थशास्त्र
भूगोल
लेखांकन
शारीरिक शिक्षा एवं योग
कम्प्यूटर विज्ञान
पर्यावरण विज्ञान
जनसंचार
मनोविज्ञान
पर्यटन
कानून एक परिचय
पुस्तकालय एवं सूचना
प्रारंभिक शिशु देखभाल एवं शिक्षा
सेना का इतिहास
सेना का अध्ययन
विषय

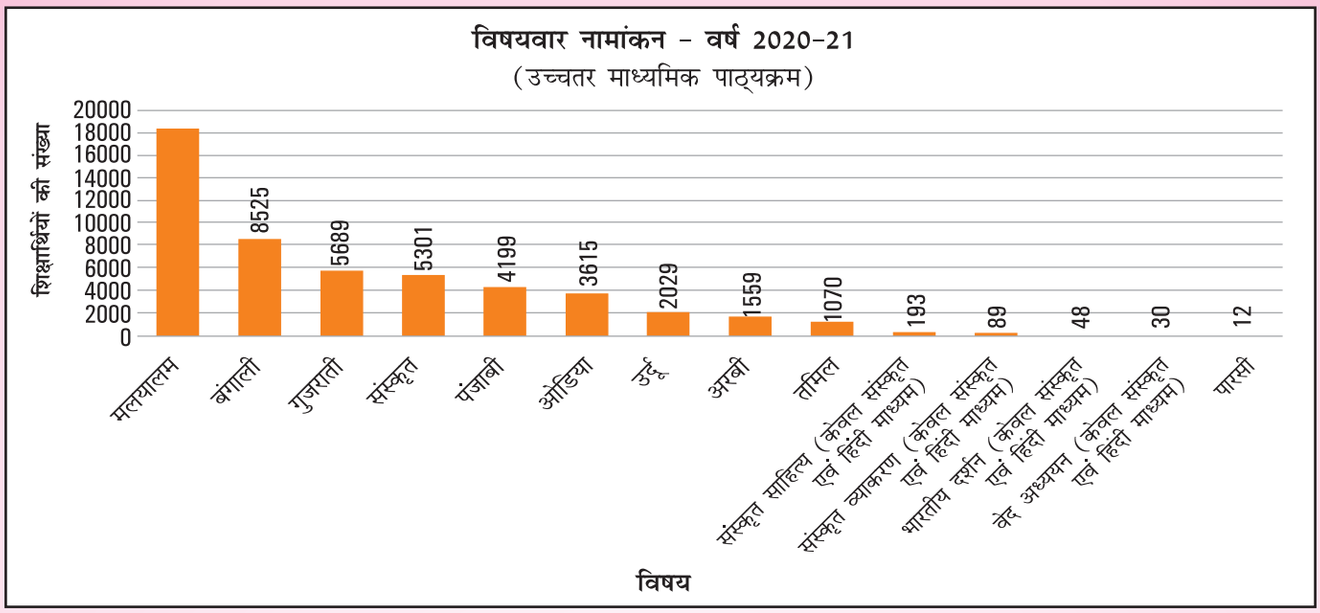
विषयवार नामांकन - वर्ष 2020-21
(उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम)
शिक्षार्थियों की संख्या
20000
18000
16000
14000
12000
10000
8000
6000
4000
2000
0
8525
5689
5301
4199
3615
2029
1559
1070
193
89
48
30
12
मलयालम
बंगाली
गुजराती
संस्कृत
पंजाबी
ओडिया
उर्दू
अरबी
तमिल
संस्कृत साहित्य (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
संस्कृत व्याकरण (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
भारतीय दर्शन (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
वेद अध्ययन (केवल संस्कृत एवं हिंदी माध्यम)
पारसी
विषय

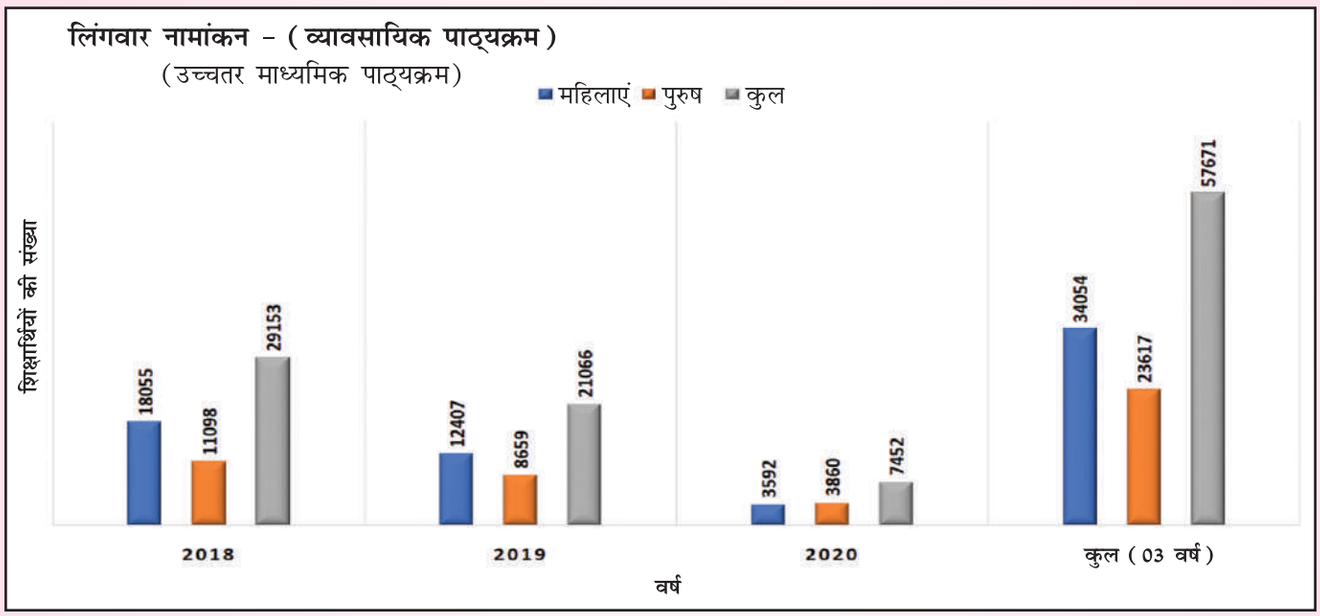
लिंगवार नामांकन - (व्यावसायिक पाठ्यक्रम)
(उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम)
महिलाएं
पुरुष
कुल
शिक्षार्थियों की संख्या
18055
11098
29153
12407
8659
21066
3592
3860
7452
34054
23617
57671
2018
2019
2020
कुल (03 वर्ष)
वर्ष

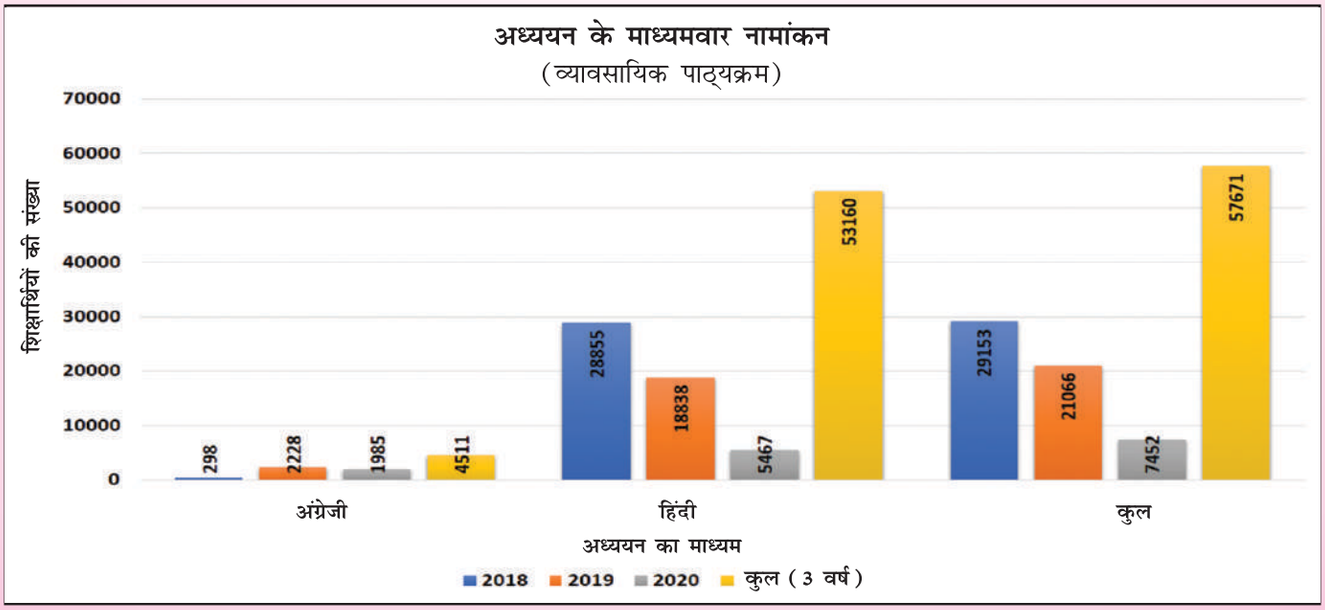
अध्ययन के माध्यमवार नामांकन
(व्यावसायिक पाठ्यक्रम)
शिक्षार्थियों की संख्या
70000
60000
50000
40000
30000
20000
10000
0
298
2228
1985
4511
28855
18838
5467
53160
29153
21066
7452
57671
अंग्रेजी
हिंदी
कुल
अध्ययन का माध्यम
2018
2019
2020
कुल (3 वर्ष)

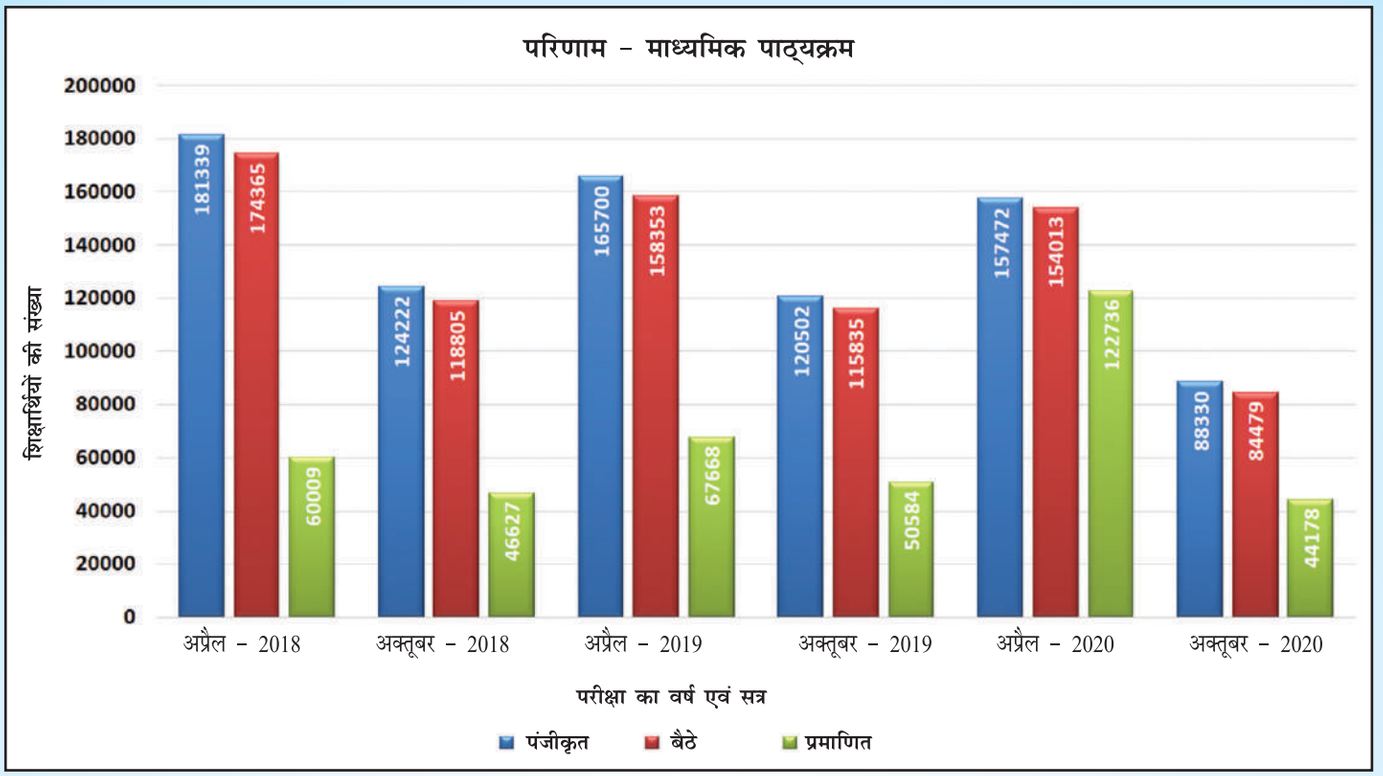
परिणाम – माध्यमिक पाठ्यक्रम
200000
180000
160000
140000
120000
100000
80000
60000
40000
20000
0
शिक्षार्थियों की संख्या
181339
174365
60009
124222
118805
46627
165700
158353
67668
120502
115835
50584
157472
154013
122736
88330
84479
44178
अप्रैल – 2018
अक्तूबर – 2018
अप्रैल – 2019
अक्तूबर – 2019
अप्रैल – 2020
अक्तूबर – 2020
परीक्षा का वर्ष एवं सत्र
पंजीकृत
बैठे
प्रमाणित

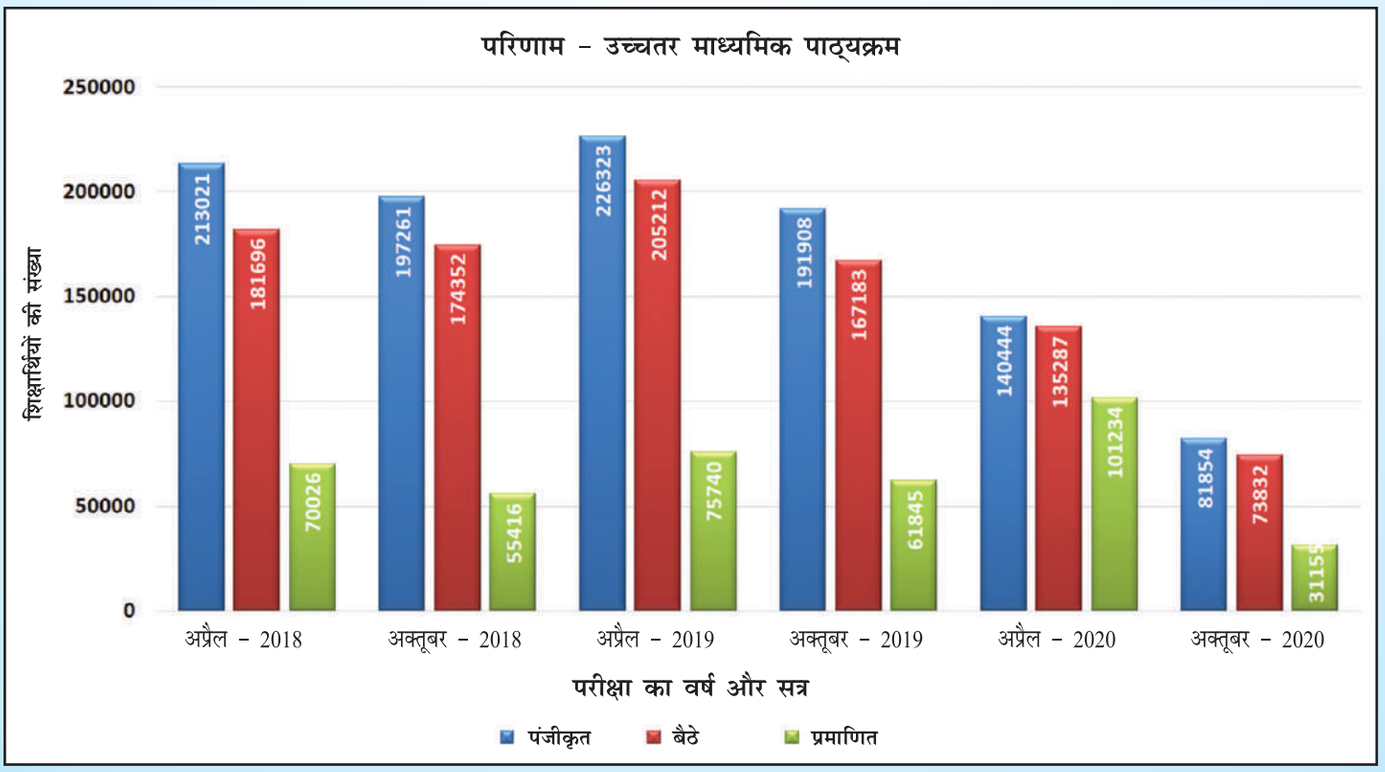
परिणाम – उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम
250000
200000
150000
100000
50000
0
शिक्षार्थियों की संख्या
213021
181696
70026
197261
174352
55416
226323
205212
75740
191908
167183
61845
140444
135287
101234
81854
73832
31155
अप्रैल – 2018
अक्तूबर – 2018
अप्रैल – 2019
अक्तूबर – 2019
अप्रैल – 2020
अक्तूबर – 2020
परीक्षा का वर्ष और सत्र
पंजीकृत
बैठे
प्रमाणित

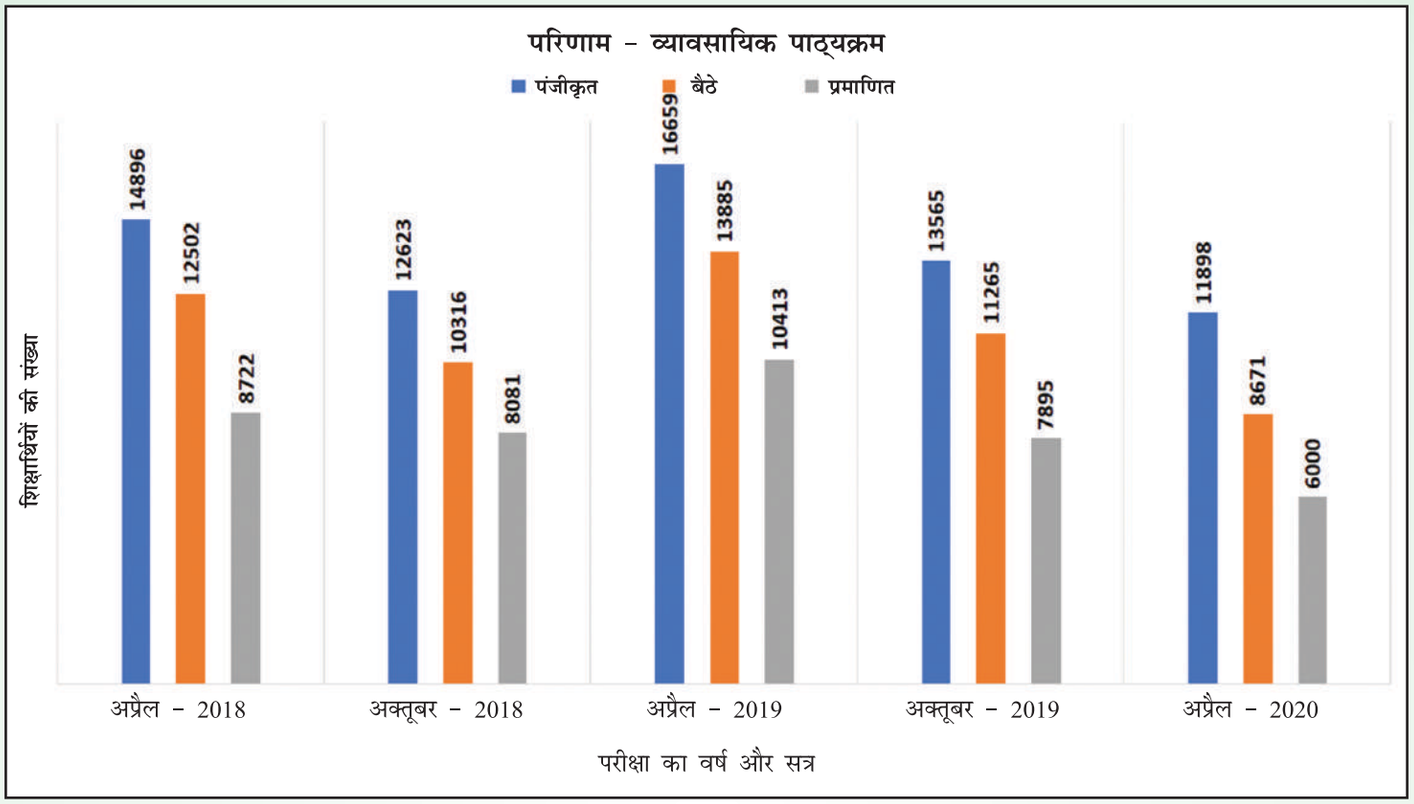
परिणाम – व्यावसायिक पाठ्यक्रम
पंजीकृत
बैठे
प्रमाणित
शिक्षार्थियों की संख्या
14896
12502
8722
12623
10316
8081
16659
13885
10413
13565
11265
7895
11898
8671
6000
अप्रैल – 2018
अक्तूबर – 2018
अप्रैल – 2019
अक्तूबर – 2019
अप्रैल – 2020
परीक्षा का वर्ष और सत्र

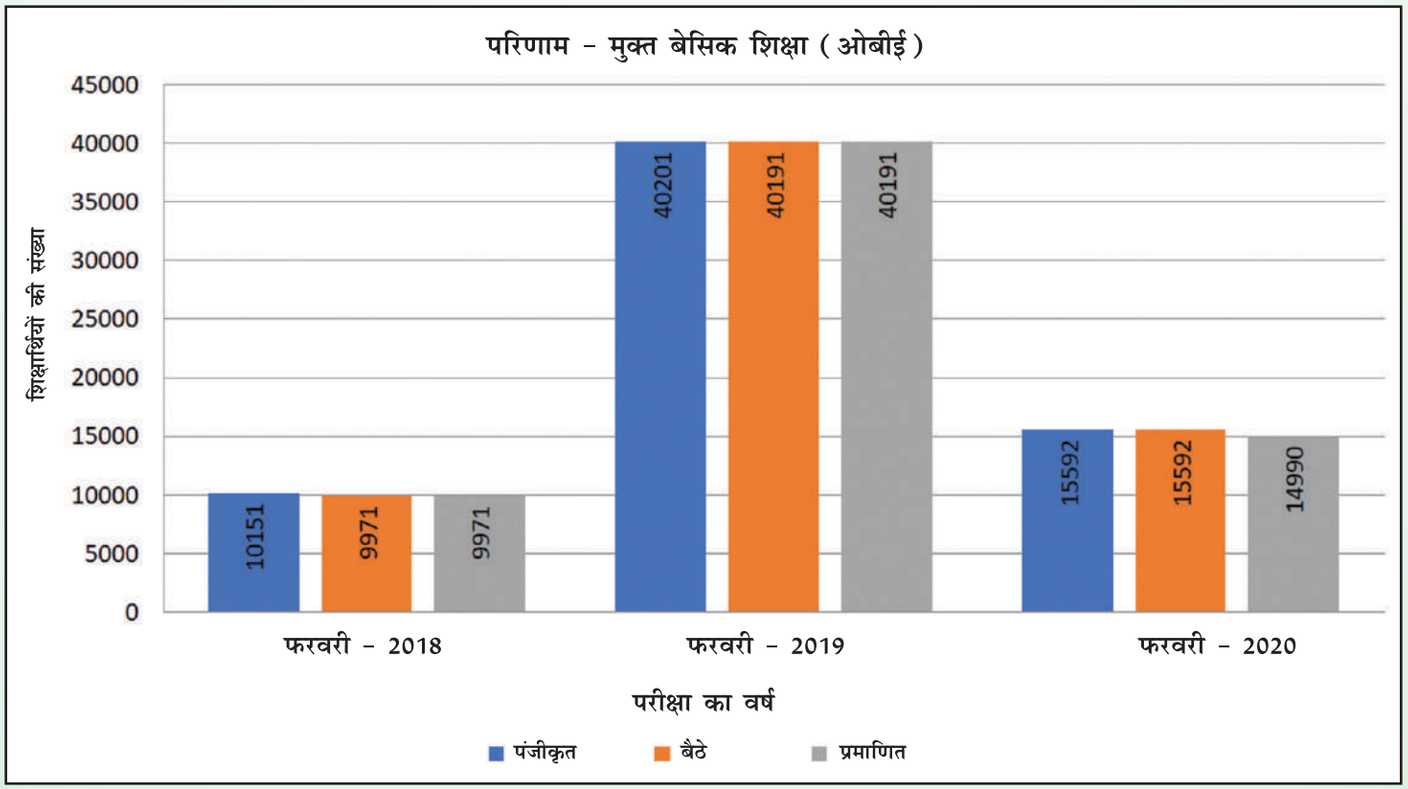
परिणाम – मुक्त बेसिक शिक्षा (ओबीई)
शिक्षार्थियों की संख्या
45000
40000
35000
30000
25000
20000
15000
10000
5000
0
10151
9971
9971
40201
40191
40191
15592
15592
14990
फरवरी – 2018
फरवरी – 2019
फरवरी – 2020
परीक्षा का वर्ष
पंजीकृत
बैठे
प्रमाणित

आईसीटी सुविधाएँ

- एनआईओएस कनेक्ट एप
- ऑन लाइन प्रवेश
- जब चाहो तब परीक्षा
- ऑन लाइन शुल्क जमा
- शिक्षार्थी सहायता केंद्र (एलएससी)
- डिजिटल साक्षरता मूल्यांकन
- सजीव संपर्क कक्षाएं एवं वर्चुअल प्रयोगशाला
- ऑनलाइन क्यूपी प्रबंधन एवं प्रस्तुति प्रणाली
- पीसीपी प्रबंधन एवं मॉनीटरिंग प्रणाली
- डिजिटल निक्षेपागार
- मैसिव ओपन ऑन लाइन कोर्सेज (मूक्स)

मीडिया कार्यक्रम

- मुक्त विद्या वाणी
- सामुदायिक रेडियो
- वीडियो अनुशिक्षण
- ऑडियो कार्यक्रम

व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए स्व-अध्ययन सामग्री

शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए स्व-अध्ययन सामग्री

अन्य प्रकाशन

- एनआईओएस तिमाही पत्रिका (द्विभाषी) ''प्रज्ञान''

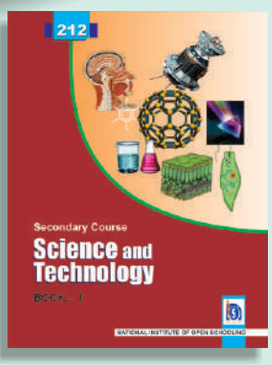

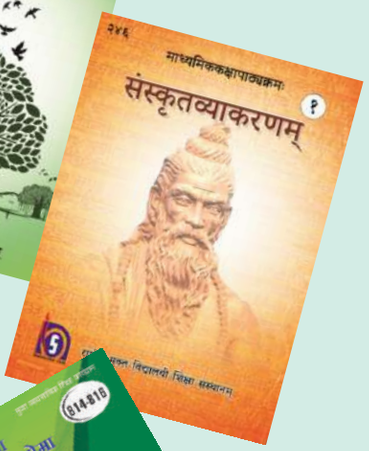

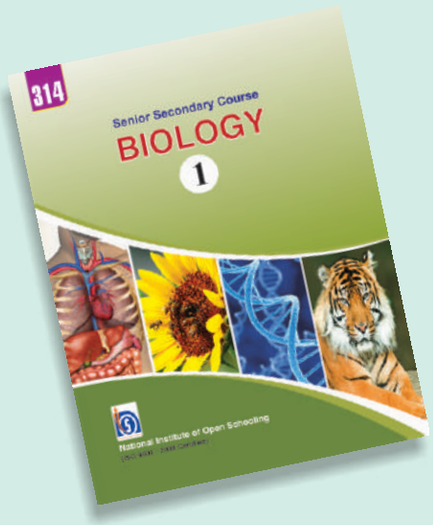

प्रकाशन

हम बड़े प्रकाशकों में से एक हैं

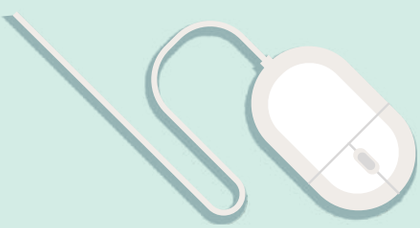

अनुसंधान और विकास

हाल ही में पूर्ण की गई शोध परियोजनाएं

01 कोच्चि क्षेत्रीय केंद्र में एनआईओएस कार्यक्रमों के लिए प्रयास एवं परिणाम

02 राजस्थान राज्य में केजीबीवी की बालिका शिक्षार्थियों के कौशल प्रशिक्षण का प्रभाव आकलन

03 मेघालय में व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण की आवश्यकता और कार्यान्वयन पर एक अध्ययन

04 एनआईओएस के उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सात विषयों में नई मूल्यांकन प्रणाली की प्रभावशीलता

05 बिहार में हुनर परियोजना का पुनरीक्षण

सक्षमता निर्माण

- अध्ययन केंद्रों के समन्वयक
- अध्ययन केंद्रों के अनुशिक्षक
- शैक्षिक विशेषज्ञ
- एनआईओएस संकाय एवं कार्मिक
- राज्य मुक्त विद्यालय
- अन्य देशों में मुक्त विद्यालय

हाल ही के घटनाक्रम/नवाचार

भारतीय ज्ञान परंपरा की अध्ययन सामग्री का माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा 02 मार्च, 2021 को लोकार्पण

वर्चुअल ओपन स्कूल (सजीव संपर्क कक्षाएं) का माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा 24 अगस्त, 2021 को शुभारंभ

योगिक विज्ञान में डिप्लोमा (डीवाईएस) का शुभारंभ

अनुसंधान एवं डायस्पोरा केंद्र की स्थापना

समावेशन में वृद्धि

- भारतीय सांकेतिक भाषा में शैक्षिक सामग्री तैयार
- बोलती पुस्तकें - डेजी सक्षम

डिजिटलीकरण

- क्यूआर (क्विक रिस्पोंस) कोड एकीकरण
- स्व-अध्ययन सामग्री का डिजिटलीकरण

जेंडर ग्रीन टीचर

- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए आईसीटी सक्षम, सेवाकालीन व्यावसायिक विकास
- शिक्षकों को ज्ञान और कौशल युक्त बनाना

वर्तमान परियोजनाएं

- झारखण्ड में किशोरियों और युवा महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए तेजस्विनी परियोजना (झारखण्ड सरकार के साथ, विश्व बैंक की वित्तीय और तकनीकी सहायता से)
- सिंधी भाषा में स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण परियोजना (सिंधी भाषा के प्रसार के लिए राष्ट्रीय परिषद के साथ समझौता ज्ञापन)
- यूएन वीमेन के शिक्षा का दूसरा अवसर (एससीई) तथा व्यावसायिक कार्यक्रम के सहयोग से किशोरियों तथा महिलाओं तक एनआईओएस की पहुँच में सुधार कराने के लिए त्वरित मूल्यांकन
- आशा परियोजना

हमारे सहयोगी/साथी

केंद्रीय विद्यालय
जब चाहो तब
परीक्षा के लिए

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
आशा परियोजना के लिए

रक्षा मंत्रालय
(सेना शिक्षा कोर)
भारतीय सेनानियों की शैक्षिक योग्यता बढ़ाने के लिए

भारत में सामुदायिक रेडियो स्टेशन महासंघ
सीधे संपर्क सत्रों द्वारा
एनआईओएस शिक्षार्थियों तक
पहुँचने के लिए

प्रशिक्षण महानिदेशालय
आईटीआई
शिक्षार्थियों को 10वीं और 12वीं
की शैक्षिक समकक्षता हेतु
प्रमाणन के लिए

रामाकृष्ण मिशन और मठ
संस्कृत स्ट्रीम तैयार
करने के लिए

कपड़ा मंत्रालय
हथकरघा एवं हस्तशिल्प
कारीगरों और उनके बच्चों
की शिक्षा के लिए

सामान्य सेवा केंद्र
एनआईओएस सुविधा
केंद्र के लिए

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग
मुक्त विद्यालयी
शिक्षा कार्यकर्त्ताओं के
प्रशिक्षण के लिए

यूनाइटेड नेशन्स वीमेन
महिला शिक्षा
कार्यक्रम के लिए

समझौता ज्ञापन 2021

क्र.सं.	समझौता ज्ञापन किया गया	शामल एजेंसियों/विभागों का नाम	एमओयू का वर्ष
1	सिंधी भाषा के प्रसार के लिए	एनसीपीएसएल (राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय का एक स्वायत्त निकाय) एवं एनआईओएस	2021
2	किशोरियाँ/महिलाएं (यूएन वीमेन)	यूएनओ एवं एनआईओएस	2021
3	संस्थाओं का प्रत्यायन	सत्यसाईं विश्वविद्यालय बेंगलुरू एवं एनआईओएस	2021
4	पढ़ना लिखना अभियान	शिक्षा मंत्रालय (शिक्षा विभाग) एवं एनआईओएस	2021
5	ओआरएमएएस : ओडिशा के साथ स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए	ओडिशा राज्य सरकार एवं एनआईओएस	2021
6	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय(केजीबीवी) के शिक्षार्थियों के लिए कौशल प्रशिक्षण	गुजरात और राजस्थान राज्य सरकार एवं एनआईओएस	2021
7	9 लाख से अधिक आशा कार्यकर्त्ताओं का प्रमाणन (55 हजार कार्यकर्त्ताओं को प्रमाणपत्र दिए गए)	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एनएचएसआरसी एवं एनआईओएस	पुनरीक्षण किया जा रहा है।
8	बिहार में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम	राज्य स्वास्थ्य सोसायटी बिहार सरकार एवं एनआईओएस	2021
9	एड फॉर ऑल	ईडीयूएएलएल प्राइवेट लिमिटेड एवं एनआईओएस	2021
10	जन शिक्षण संस्थान	जन स्वास्थ्य संस्थान निदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, नई दिल्ली एवं एनआईओएस	2021
11	माइक्रोसॉफ्ट	माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन (इंडिया) प्रा.लि. एवं एनआईओएस	2021
12	एनएचएम (झारखण्ड)	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड सरकार, रांची एवं एनआईओएस	2021
13	एनएलएमए	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय,नई दिल्ली एवं एनआईओएस	2021
14	डीजीटी	प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, नई दिल्ली एवं एनआईओएस	2021

एनआईओएस से पढ़ाई करने का शायद आपके पास कोई एक कारण हो, हम आपको अनेक कारण देंगे!

- वर्चुअल ओपन स्कूल
- वहन करने योग्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
- 24×7 प्रवेश
- 5 वर्ष के लिए पंजीकरण की वैधता
- अधिकतम आयु सीमा नहीं
- अपने घर के पास अध्ययन केंद्र चुनें
- कोई भी विषय चुनें
- अन्य बोर्डों से क्रेडिट स्थानांतरण
- क्रेडिट संचयन
- शैक्षिक और व्यावसायिक विषयों का संयोजन
- विशेष आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों के लिए विशेष प्रावधान
- अपने स्थान पर अध्ययन करने की स्वतंत्रता
- अपने स्थान और समय पर अध्ययन
- अनेक माध्यमों में अध्ययन की सुविधा
- नि:शुल्क स्व-अध्ययन सामग्री (एसएलएम)
- अध्ययन केंद्रों पर आमने-सामने संपर्क सत्र
- स्कूल स्तर पर मैसिव ओपन ऑनलाइन पाठ्यक्रम
- शिक्षा के लिए मल्टीमीडिया सहायता
- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास
- सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण पैकेज
- वर्ष में दो बार सार्वजनिक परीक्षा
- इच्छानुसार परीक्षा
- संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में परीक्षा देना
- वर्ष भर जब चाहो तब परीक्षा
- मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र
- आईटीआई शिक्षार्थियों के लिए माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था

आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित

ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा-201309

वेबसाईट : www.nios.ac.in

टॉल फ्री नं. 18001809393